Regarding minorities facing atrocities in Bangladesh

श्री नरेश गणपत म्हस्के **(**ठाणे**) :** सभापति महोदया,

क्या वे सब मानव नहीं,

क्या गलती है उनकी सीमा पार रहते हैं?

जिस देश में रहते हैं, वह उसको ही अपना कहते हैं

आज परीक्षा उनकी कि

धर्म बड़ा हो रहा वहां

हिन्दू, सिख या बौद्ध, जैन होना पाप है वहां ।

मैं इस सदन का ध्यान हमारे पड़ोसी देश बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार की ओर आकर्षित करना चाहता हूं । यह मुद्दा केवल बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं है, बल्कि मानवता और धार्मिक सहिष्णुता के लिए गंभीर चिंता का विषय है ।

बांग्लादेश में हाल ही में 2,010 घटनाएं दर्ज हो गई हैं, जिनमें हत्या, छेड़छाड़ और अपहरण जैसी अमानवीय घटनाएं शामिल हैं । इन घटनाओं के कारण 1,705 परिवार प्रभवित हुए हैं । विशेष रूप से चिन्मय कृष्ण दास जैसे सम्मानित धार्मिक नेता की गिरफ्तारी ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है ।

बांग्लादेश के 64 जिलों में फैले अत्याचारों ने न केवल हिंदू, बल्कि बौद्ध और ईसाई अल्पसंख्यक समुदायों को भी संकट में डाल दिया है । यहां तक कि ढाका,? (व्यवधान)